मन में उत्पन संकल्पों पर ध्यान रखना होगा

दिल्ली, आर.के.पुरम। 'एयरफोर्स वुमन वेलफेयर एसोशिएशन' में 'पावर ऑफ पॉजिटिव थिंकिंग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् ग्रुप फोटो में हैं ब्र.कु.अनीता, ब्र.कु.मनीषा, ब्र.कु.ज्योति तथा अन्य ।

आर.के.पुरम, नई दिल्ली। महिला दिवस के अवसर पर 'एयरफोर्स वुमन वेलफेयर एसोशिएशन' में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 'महिला सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.मनीषा ने कहा कि नारी वो शक्ति है जिसमें पालना और ममता के संस्कार बचपन से ही पाये जाते हैं। वह न केवल अपने घर-परिवार का पालन एवं पोषण करती है बल्कि पूरे विश्व की भी पालना करने का साहस रखती है। आज नारी ने पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर चलते हुए हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

'पावर ऑफ पॉजिटिव थिंकिंग' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्र.कु.ज्योति ने कहा कि परमात्मा द्वारा प्रदत मन एक ऐसी शक्ति है जो किसी की भी जीवन धारा को बदल व संवार सकती है। क्या हमने कभी अपने मन की विचारों की क्वालिटी पर ध्यान दिया है कि हमारा मन क्या सोच रहा है और किस प्रकार से सोच रहा है। उन्होंने कहा कि यदि हम दुसरों के सुख पहुंचाने के संकल्प करते हैं या हमारे हर संकल्प में दूसरों के प्रति शुभ-भावना व शुभकामना समायी हुई रहती है तो इससे हमारी मन की शक्ति तो बढ़ती ही है साथ ही साथ स्मरण शक्ति का भी विकास होता है। उन्होंने बताया कि क्रोध व तनाव इसके सूक्ष्म शत्रु हैं इसलिए हमें इससे समय रहते बचने का प्रबंध करना चाहिए। उन्होंने बताया कि राजयोग मेडिटेशन का निरंतर अभ्यास करने से हमारा मन शक्तिशाली होता है और मन पर नियंत्रण भी कायम रहता है। उन्होंने राजयोग मेडिटेशन के द्वारा सभी को गहन शांति की अनुभूति भी

चिकमंगलूर। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री रामकृष्ण मठ के श्री दियनंद स्वामी साथ में हैं बसवानंद स्वामी, जयराम, प्रेम कुमार, ब्र.कु.भारती तथा अन्य।

ब्यावरा। 'महिला दिवस' पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए मीरा अग्रवाल, गुजा, ब्र.कु.शुभांगी तथा अन्य।

शांति के लिए मूल्यनिष्ठ शिक्षा आवश्यक - उषा

पटना। बिहार राज्य की स्थापना के 100 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य पटना के गांधी मैदान में 'देश और राज्य में शांति हेतु मूल्यनिष्ठ शिक्षा' विषय पर शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। इस शताब्दी समारोह को सम्बोधित करते हुए माउण्ट आबू की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.उषा ने मूल्यनिष्ठ शिक्षा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मूल्यनिष्ठ शिक्षा से ही हम देश में शांति स्थापन कर सकते हैं। अपने जीवन में मूल्यों को धारण करके ही महात्मा बुद्ध, महावीर, गुरू गोविंद सिंह जैसे महापुरुष लोगों के प्रेरणास्रोत बन गए। जीवन में आध्यात्मिक मूल्य का होना अति आवश्यक है। जीवन में व्यवहारिक ज्ञान का होना ही मूल्यनिष्ठ शिक्षा है। आज विज्ञान ने मानव को उन्नति के शिखर पर ला दिया है लेकिन वह चरित्रहीनता के गर्त में गिरा हुआ है। इन समस्याओं से मुक्ति का मार्ग है सत्य, गीता ज्ञान व राजयोग शिक्षा। इससे ही मानव चरित्रवान व दिव्यगुणों से संपन्न बन देवता बनता है। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय पिछले 75 वर्षों से मानव के चारित्रिक उत्थान व मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना के कार्य को करती आ रही है। उन्होंने कहा कि भारत में माताओं का बहुत ही मान है। बच्चे में संस्कार डालने का कार्य माता ही करती है, इसलिए माता को पहला गुरु कहा जाता है। यहां तक की भूमि, नदियों के नाम भी माताओं के नाम पर रखे गए हैं। सर्वशास्त्र शिरोमणि श्रीमद्भगवत गीता को भी माता कहा गया है अर्थात् माताओं को इतना ऊंचा सम्मान दिया गया है। यदि माता सचमुच में साक्षात गंगा, यमुना, सरस्वती, गीताशास्त्र जैसी पतित पावनी बन जाए तो राष्ट्र तो क्या सारा विश्व ही शांति से सम्पन्न बन जायेगा।

पूर्वी बिहार की संचालिका कुंज दादी ने कहा कि बिहार का इतिहास बहुत ही प्राचीन एवं गौरवशाली रहा है। यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें तो हमें यह ज्ञात होता है प्राचीन समय में विश्व का एकमात्र शिक्षा केंद्र बिहार ही था। जहां का नालन्दा विश्वविद्यालय विश्व प्रसिद्ध था। उन्होंने कहा कि परमात्मा प्रदत ज्ञान व राजयोग की शिक्षा मानव को चरित्रवान बनाता है। राजयोग का निरंतर अभ्यास करने से आत्मा में शक्ति आती है तब आत्मा अपनी कर्मइन्द्रियों का राजा बन जाता है। उन्होंने कहा कि पवित्रता की सुख शांति की जननी है।

ए.एन.कॉलेज की व्याख्याता पूर्णिमा शेखर सिंह ने कहा कि जीवन में गुणों का विकास करना है। हमें अपने व्यक्तित्व में और विचारों में सफाई लानी होगी व सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

पटना क्षेत्र की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.संगीता ने मंच का कुशल संचालन करते हुए कहा कि शिक्षा वही सार्थक है जो मानव को मूल्यनिष्ठ बनाये। तभी व्यक्ति देश का एक अच्छा नागरिक बन सकता है और स्वच्छ भारत का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा कि आज व्यक्ति स्वयं को भूलने के कारण ही शांति की तलाश में दर-दर भटक रहा है। हमें अपना मनोबल बढ़ाने के लिए मन को परमात्मा से जोड़ना होगा, तभी आत्मा रूपी बैट्री चार्ज होगी जिससे मन शक्तिशाली बन जाता है। इस शताब्दी समारोह में अनेक स्वयं सेवी संगठन तथा महिला संगठनों ने भाग लिया और अपने-अपने जिले की संस्कृति का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् रानीसती मंदिर में तीन दिवसीय गीता ज्ञान का आध्यात्मिक रहस्य पर शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य के अनेक वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी संस्थायें, राजनेतायें सहित हजारों की संख्या में गणमान्य लोगों ने भाग लिया। और इस ईश्वरीय ज्ञान से अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रतिज्ञा की।

दिल्ली, हिम्मतपुरी। ग्रुप फोटो में हैं दिल्ली पुलिस के डी.सी.पी.राणा, मंदिर के अध्यक्ष चंद्रपाल, काउंसलर कश्यप, ब्र.कु.सुनीता, ब्र.कु.पुष्पा तथा अन्य।

दिल्ली (पीतमपुरा)। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुरेश भाटिया साथ में हैं ब्र.कु.चक्रधारी, ब्र.कु.रानी, ब्र.कु.प्रभा तथा अन्य।

घनौरा (अमरोहा)। एन.ओ.डी.के.शर्मा को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.सुषमा।

फैजपुर। 'सम्मान समारोह' कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए स्वामी जनार्दन, महानुभव पंथ के मानेकर बाबा, प्रिंसीपल डॉ.बिमलेश, ब्र.कु.शकुंतला तथा अन्य।